

DPN 6604

Title : ~~मंत्र साफ़~~ / MANTRA SAPHŪ

Run. No. 7329

Cat. No.

Micro. No.

Subject ~~Tantra~~

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / Hindi

Size in cms. 14 x 16.5

Folios 24

Lines (in a page) 11

✓
Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :
stitched with thread, copy
form

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

मंत्र साफ़ मर्या भौ। मिसा वर्य

जेष्ठ मैत्रा शजन्म योगन श्यादु ॥ सालशवर्ष ३०

श्री वीरेश्वरजी महाराज ॥ रत्नराजसे १५ से २६

श्री
राम राम राम शिवा राम राम राम राम राम
राम राम राम राम राम राम राम राम राम राम

श्री मंत्रसाधक मर्यादा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

सिद्धिगुरुआग्या स्वासा न स्वासा न स्वासा
न ॥ धा ॥ चाकुवसु स्वधनयाय मीसायाना
मकायावसोधनयाय गणेशपुजा यायमाल
ॐ नमो हरी श्रीकामेश्वरी वसकरे श्रीनवनाकि
आशापुर मंत्र सत्यपुरे ॥ धा ॥ सीधलस
मीसायानामकायाव सोधनयाय मीसावस
मीसायानारघालकेने गणेशपुजायायमाल
ॐ गुरुआग्या महादेवकिवाचा पार्वतिकिवा
चा रुमानकिवाचालागोमोहनी स्वाहा
धारे ॥ धो मंत्र दोडा वसुधागुमुसां वसुसमी
साजनयानामकायावसोधनयाय मीसाया

तानके तके मीसा मोहगुरुदुलो पुजायाय
ॐ कामनाकुरु स्वाहा ॥ धा १०८ भुंदुयापा
कोषयापा गृधयापा थोस्वती दीप
सयडाव मीननयकाव धनलीनडे
लयाताकीतके स्वातके धयार्थभया
ईव ॥ ॐ नमो गुरुआशा ॐ स्वाभिर्मन्त्री
त्रैतस्पउचातन भवेत् ॥ धा ॥ मेतलीघास
महादेवयाकीगोद मसानयानली कला
षयाचीपजा थोपेताकापोल सपोलचे
डाव थायलु सतके फायनीपकलरुया
पचके जुलो ॥

ॐ कामकामा^{वमा} देवी नचनारी श्रीवाक्ये
वनइकाएरक्षीपार्वती ॐ श्रीं जीं हुं हुं स्वाहा
धार ४ फलसर्पत्रयाऽनवतकेनेवनपिषा
प्रतयकेमीसायाता ॥

ॐ पिप्प्याचिपेनासावारीसावाजोएदी स्वाप्ता
नाई स्वा स्वाहा ॥ धा १:२:३ ॥ धा स्त्री को ली
प्रवयापुके

ॐ हां जीं दि गाय हुं फूट स्वाहा धा ५ ॥

लीषनहायडुगु फई मुहायके

ॐ तमोगुहआज्ञाहूनवायुद्वादयेवातनास
यपीदाभाजयगावसोस्रय श्रुगथाधक्का

नीवीहगुमन्नकेभजभजफूरोमन्निमेरीवा
चासिधिधार २१ ॥ तुफीनगाहो ह्रस्वा
पानगाहोहानयायफूसनधाकया

ॐ सीधीगुहआज्ञाहंदेएविसिधिभवानी
अपनफूकाएवसिधिभवानीसगुहआज्ञा
धार ७ ॥ डुडु स्पाक डुडु घाल दाडयापुये

ॐ तमोगुहआज्ञाजोर २ जाहनासयभारअ
ग्रीज्वरसीतज्वरकैपजोरजोरजहरभैचर
महाभैरवायअपतउभयकुह २ स्वाहा
॥ धा ८ ॥ जोरकोकायता नाथजपावतो न
के ह्रस्वापानगाहोपुये

स्वामिजीनमो

ॐ वल्लभ्यो रोगा सर्वरोगांशु रोगांशुं ॐ
स्वाहा ॥ ध्या ॥ जोर को कायेगा चोतनगा
ॐ नमो गुरु आग्या गुरु को आदेस नागगन
स्पचन कालीनागमठनी ज्वार मारि चरीन
स्वाहा स्वाहा फेट फेट ध्या ॥ तव जोर
या पुये ॥

ॐ ना सींहं वीके आग्या यो पीयूषं
क्षी स्वाहा ध्या ॥ जोर को काय.

ॐ नमो गुरु आज्ञा समनी भत ससी सभे
त फुल मंत्रि श्वर वाच ध्या ॥ तुफी न गाला
व जोर को काय.

ॐ नमो गोला साये कामु घ्या देवी काम

देवी स्वाहा भो देवी स्वाहा सेतवर्ण काली
देवी स्वाहा सीधी गुरु आज्ञा पीत घादी
दे ध्या ॥ अक्षत गोल ५ गुला तो पुप ना
ष येक नवा ता सतय कपाल नीले तुती
त्व पुये पीत काय याता गुला

ॐ नमो सीधी गुरु आग्या ॐ वीध वीध म
हा वीध वीन द फुल स्वाहा ध्या ॥ सोला
सना मवी कनत याव गुत ऊणु काया ववा
ले दीय मडु ना मवी कनत याव मोल स पुये
पीत को काय ॥ जोर पीत थोरे पीत आका
स पीत पीत स्वाहा ध्या ॥ नाथ सोठ नया रु
व तो न के पीत को काय गुला

ॐ फैं फट् चामुण्डाय ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा ॥
जाप १०८ ॥ पीठ स चामुण्डायामुलमंत्र थो
तमुलमंत्रन जापयाय गुगुलीकार्य भाग
पावगुलीकार्य सीधी जुईव जुला ॥

ॐ नमो चामुण्डायै दिलीहीली अमुकपुहृष
वस होई ॥ धार १०८ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं फट् ॥ धार २१
यस मंत्र भुमोमाहोषी फुकनु कुप पस्या का
निकोई दुप पस्या का ठाई माहुई राखनु
होई होई २ ह्रीं ह्रीं ह्रीं फट् २ धार २१ कुप प
स्या को मानी सको जाहा पस्या का छ वाहा
हुवाई राखनु धुंगा माहारा नुनी कोई दु

ॐ कामिनी रजिनी स्वाहा ॥ अलखन हात स
चो स्प वला हात नथी कोमी साव स्प ॥ वअ
लखन बोया ला हात स जु रानी था कि गु मंत्र
वान हये मंत्र थोगु ॥ ॐ ह्रीं अं हं नम ॥ थो
मंत्र रुगडा सवाने वले थमन वरावर मन
नैवोने रुगड सध मनी त्यात के जुला

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं अमुक मंत्र उद्यो पय २ जागी
ती कुरु २ सिद्धी देही २ फट् स्वाहा १०८ ॥
थो मंत्र जागत दुई ॥ ॐ मंत्र दियाय वीर
वीर महातेज गत पवा धाय स्वाहा ॥
धार ७ मंत्र जागती

पुष्पायनाष्टौ नै-शास्त्रीजीवः

ॐ नमः श्री वंशायनी शत्रुमारनाय स्वाहा ॥
धारा ॥ वलीपुजावलीहयावृद्धे स ह्याये.
वंशायनीहोने धायाथेयातकेजिवः ॥ ॥थ
थेथ्यं च्याहासीयांजिव
ॐ नमः श्री मोहेश्वरी शत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री कोमरी शत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री वैष्णवी शत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री वाराही शत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री ईन्द्रायनी शत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री चामुण्डा शत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री महालक्ष्मी शत्रुमारनाय स्वाहा
साधुकोरूपाथ्य

श्रीकार्ये

लीकायेताहनेवलीतयावपूजायाडावलितातार्थे
मंत्र ॥ शत्रुरक्षाकरे स्वाहा ॥ ॥ गोलादेवताया
तामारावहासया मंत्ररूपाकायावलीपा-लीपा
शत्रुरक्षाकरे धायागुताडावविये रक्षाजुय
ॐ नमः श्री महाभैरवायेशत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री लम्पसानभैरवायेशत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री आकाचारीनीयेशत्रुमारनाय स्वाहा
ॐ नमः श्री भूतायेशत्रुमारनाय स्वाहा
थोचोयातकोरूपायाथ्यै रक्षायायया
तैमारनयाययातैडथ्यैकुलो

ॐ नैलनी ॐ नैनेनाभेत् ॥ १५ ॥ मीसायावस्त्रस
चोपाव कुमालयाद्यलचायातवलेसतेयना
मकायेमालवस्त्र ॥ X ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमः श्रीगुरु आग्या ॐ अघोरीचत्रपोरीस्वाहा
॥ ॥ थोर्मत्रनस्वपोरधाये छपोरपुयेधाल त
पोचासलहाससथानेमीजंन्याजुसीमीसाया
ववसथानेथोतेनीलोयेनास ॥ ॥ ॥

ॐ श्रीश्रीश्रीगुरु आग्यासीधुगम एगवस्त्रआ
पनीकनीसीद्यास्वचल ॥ धा ८ ॥ ईकापल्फा
सीलुस्वी तालीस्वीसाद्ये लस्युलाव धुपथा

नेवोकसीलालेहोरेयायेजुल ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ आदेसगुरुकोरुवीएमीवीएआवेचावम
विचर्मदीनीजेहुवीएएसाचीदतामसाउथा ॥

ओजगापमरीभवतिहगुरुकेलगतीफुरेर्मत्र ॥

॥ थोर्मत्रनवोकसीनवाडउकथासवीनी

सायायेवाहायेकेजुलो ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ गुरुआग्या ॐ तौ लीसीसीसेस्वीस्वीसीसे
हीस्वीहूँहीस्वीहीस्वीहीस्वीहीस्वीफतसीहीस्वी

॥ धा १३ ॥ लोहोवागोला ४ जपलपावपेदीग

सीस्वसेपुजायायचोखास्वनीपोछपुजायाये

छपोचादीवालीदेयेईयकेथोवालीस्वधुपई

कापल्का सुपोल थो ते ५ पधाने पुजायाये तये
 सुन सुये मफु ओ तो लते मफु व भ ग जु लो सु
 थते ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॐ अचल चालो शुचाली चाला सुतरी व्यदी पा
 प्रहायनी चालो सुगर्भवालो पाताले वासुक
 गी चालो क्षी च चालो आव ली जही च ३ लात ही
 धो वै वै मोहो सीधी गुफ आग्या डू फट स्वाहा ॥
 धा २। १८। ३॥ थो ते न जप र प र वो ला उाय
 के थो सो मा उये के धल पो लो हो मा उाय के
 मंत्र थो ते सीधी काये जु लो ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ यी योगीनी [क्ष चर्मु मी दा काली देवी जये सत्य
 वानी पुरै मंत्र ई स्वप्न वाच सत्य पुरै ॥ धा ३ ॥
 ॐ तम गुंफ को आदे स जिव प्रां न तो को नी काल
 ये २ फा तये फफ फ लु लु डू क डू क ए गये मु
 ख हो द २ डु गु गवा गवा ध्वा ध्वा ध्वा ता ता
 ता स्वाहा ॥ ३ ॥ मासन कय के सत्र याव ॥
 ॐ कालिका स्वाहा ॥ ५ ॥ स्म सान चा ध्वा गवा
 ल क । ही सया पेद काया पि सा ला सु या चा
 इ का पल्का पो ल ये ये दे स सो क पाये जाव
 फये ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

आषामाहुं मनमाहुं ग्यानमाहुं गुनमाहुं चीत
 माहुं माहुं की श्री वज्रको वान लये श्री वज्रको वा
 न लये श्री वज्रको वान लये मारि दीं ओ की दे
 वता मंत्र पूरा गुह मंत्र श्री गुह की ग्यान ॥
 ॥ धा २ ॥ थो मंत्र न जा की गो रे का या व गो ल ३ दे
 वता या नाम नी छाये पो को स्व वो ३ दे वता या नाम
 न छाये वा की गो ल ६ ज प ल पा व पो को स त
 ये थो म मी ३ थो भी न के ता अ ये ला थो म हा व
 या हा ये के ता जी व प क सी नी न से न का व वी व
 या म वी य के गु ल मे व न दु ख वी ल सा नी गुं गु

थ गु ल गु पा च थ गु ल म क ल ल दु या व कु फ
 ये ह गी न गु वा च के मू रे या ये गु ल ॥ ॥ ॥
 वाई माहुं छो दे माहुं मन माहुं ग्यान माहुं गुन माहुं
 माहुं की गुह की ग्यान ॥ धा ५ ॥ थो मंत्र न जा की ज प
 ल पा व रे गी या के पी या व हो ले भु त न पु न या
 दा की नी सा की नी न पु र या म पु न के गु लो ॥ ॥
 ॐ नमो श्री गुह आ ग्या ॐ अ य स्था वे प स्था वे
 स्वा हा ॥ धा ३ ॥ जा क फा ये ता ॥ ॥ ॥ ॥
 ॐ वी ध न वी ध न नि प वी ध न म हा वी ध न ता हा वी ध
 न क रु न मा यी सा हा हा ह न स्वा हा ॥ धा ७ ॥
 थो ते मंत्र न प व स त्र य स न सी स्य ता थो लु न

पुणेरा थिलउतव पुचीऊा थ्यै लीभनउस्प्येनी
 वजुलो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॐ श्री श्री श्री दुत्र दुत्र सिलि दुथापमंत्र गुसेतो
 धार ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 याह्लास चिंनदह व पुलायेगुगुलो ॥ ॥ ॥
 ॐ नमत्री पुएदेवीकी आग्या सौं ह्रीं क्रीं कुं कुं फ
 द्द नम मेघानी भजये ३ अम्य मेघानी स्त्री भ
 ये २ दूरणिय ३ फत सर्व मेघानी मूली हू हू कुं ३
 फट २ कै यें ह्रीं क्रीं कुं फट ॥ धा १००० चतु दी
 गया पुर्व दक्षीन उच्च पद्मि हने चाकाया व
 जपरापाव चागुली दीग सी होले मेघचे लके ॥

तेरा पुसान तेरा तेरा भीम सेन माता पीता
 श्रीगुह आग्या ॥ ॥ ध्वमंत्र नचेकन काया
 वधवारखाल सवुये ॥
 ॐ भज मोहोक्ष मागुह आग्या ॥ धा ३ ॥ हिं
 स्पधुची नेतान पाक्षा उव चुकु चुकु धा उ
 का फल सतया वतोन के मोचावुये मफु
 वेलास ॥ ॥
 खलहा काले ऐग मछाले गुह के सक्ति
 मेरे भक्ति पूर मंत्र हस्व की वाचा ॥ पुपी
 चानवास किय खलहा लानी व
 दुखी लेख सफेया व चिनि साखल नहाया
 वतोन के मीहिन रोग या नास ॥

* सर्व वसप

* मोहन जु जु *

ॐ सिद्धि मोहिनी गिद्धि मोहिनी काका
मोहिनी कामेश्वरी काल विवीक्षे स्वा
हा ॥ धार ७ ॥ सर्व वसप सीधल जपल
पावथ मनीतीये

ॐ सिद्धि गुरु आज्ञा अम अहल सिद्धी
देवी नम स्वाहा ॥ धार ७ ॥ सदा स्वानया
हा कापोल सधु था ऊव ईता लनेले सा
धेल सवला क मोहनी फये पूजा याये
जप याये थो मोहनी धर्म तीये सकल
वसप जुय मोहन जु यु व

वसप

* वसप

* सर्व लोक

* मोहा वसप

ॐ नमो गुरु आज्ञा हेमाता कामना देवी जो
मन कहये स्वकाम रसिद्धि करी ही सिद्धि
गुरु आज्ञा ॥ धार ७ ॥ नके गु वसु सध वईल
वान कावदीये नके वसप

* वासा कपा *

ॐ कीरी २ तुरी २ कुंफट् स्वाहा ॥ धार २ ॥

ॐ लीं लीं अमुका आकर्षय २ स्वाहा ॥

थथे नित्य छुटो होम याये सर्व लोक
स्त्री वसप ॥ धार २५ ॥ गुलो

ॐ नमो आदे सगुरु को ॐ अ मुकी वसप कुरु
कुरु स्वाहा फट् ॥ धार ३ ॥ अक्षत गोल २

मंत्र यागाव कय के नाम काय माहा मिस्वा वसप *

विबल

कवच

ॐ नमो गुरु स्वपता स्वपता काली का स्वपता
 ध्वं जिवा जय धां कलय काम्बो लय मन भेद
 धार ॥ स्त्री गुली दो काला कथा लचो उर स्व
 वली काया वधो मंत्र न कय के थो तेन थव
 के तु मन तया वधु ईव कये काली थव वस्त्र जु ई
 ॐ नमो गुरु आज्ञा हं विजय लं कोठं जाना
 सिधी सत्य मुकुल लु काली का हं फट् फ
 ट् स्वाहा ॥ धार ॥ थव लाला न अनामी
 कान वा पोला व गो ल १२ आघे पोला व
 जो पाव नेत गुया व छेय मेवन या क गु
 ली मंगे लकी कवच या हा व चो ने ॥ ॥

विबल कवच मय मड

थव वस्त्र

ॐ से तो राय राय उ प्र फु ह मंत्र ह स्व ह वा च ॥ धा ॥
 ह का प ल का नाम का या व हो ले स्त्री वस्त्र जु मुव
 ॐ व ल्हा की कवच ह दु की कवच ली प की कवच
 वी धु की कवच ई श्व की कवच ई श्व री की कवच
 हुं हुं हुं फट् स्वाहा ॥ धार ॥ चे क न वु ये अ क्षा त
 ज प ल पा व धु ये ली ध ल ज प ल पा व तिये कवच
 जनान् ध म ग्या त ना व धु यां भ ये म ड
 ॐ नम श्री गुरु आज्ञा गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु
 जीं जीं फट् स्वाहा ॥ धा ॥ थव चोला चाया
 हि का या व चा कु ल चो ला व हा म ल स न पा
 क्षा का व न के थव वस्त्र जु युव

ॐ ऐं ह्रीं हनुमते राम दुताये. लोकाविध्यं सना
ये अं जनागर्भस्य भूताय. शाकी निदा कि नि
विध्यं सनाये किलि २ चूचकारण विमिष
नाय. हनुमदेवाय ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं ह्रीं स्वाहा
॥ इती मूलमंत्रः ॥

ॐ श्रीं कृष्णवा ससि सिं ह वदनि महावदनी
महाभैरवी सर्वा परकर्म ध्वं सि नि परममै
त्रेदद नि सर्वभूत दमनि सर्वभूतानुबन्धरस
र्वविघ्नानुघिन्दर सर्वदुष्टा भक्षर ज्वाला जि
के कं एल दै रे प्रत्ये गि रे श्रीं नमो स्तुते स्वाहा
॥ इति साधनमूलविद्या ॥ ध्यानः ॥ सिं ह

सिंहमुखीमहाभगवतीश्रीभैरवास्त्वौल्लस
तश्चूलप्रौठकपालपासदमर्दिव्यग्राचह
स्तामुजाद्रुद्राकोतीविषयकटाक्षकुहरा
मारुतनेत्रत्रयां वंदे मेदफलप्रदीभगवतीं
प्रत्येगिएसर्वदां॥अथमुलमंत्र॥ॐ ह्रीं
ह्रीं ह्रीं ह्रीं यही सर्वविघ्नहर सर्ववली
क्षाभयमेसर्वकार्यानि साधय हूं फलसा
दा॥ ॥

ॐ नमो गुह्य आ ग्या मदन दमर दय मोहय मोह
अमो कि वसमानय मत वय मत स्वाहा ॥ धा ॥
गोय मंत्रया उत वनके वली कर्त स्त्री यात ॥

ॐ हनुमते महावल्लभाय नमः परस्परं भू
 तप्रेत पिशाच साकीनी यक्षनी पूतनी पूत
 नामलिमही मारी कृत्वा यक्ष एक्ष सभैर
 ववेताल ग्रह ब्रह्म एक्ष सादी जाती कुलवधा
 क्षणोनहनर भंजयेर भारयेर मही मेहेश्वर
 हृद्रावतार ऐं ऐं हौं ह्रीं ह्रौं ह्रौं ह्रौं ह्रौं ह्रौं
 घघघ फट् स्वाहा ॥

२३ ॐ हराय नमः ॐ ॐ स्वाहा श्रीगोखके आशा
 सक्त फुरे ॥ धार ॥ थो मंत्र न गोलोचन जपल
 पावध वल्लो सतय माहा रक्षा

ॐ अमर जो देते लस्य साने पव वहु मम द्विकामे
 स्वामि मे वसिद्धि जगत् मोहिनी स्याने मोहनी श्री
 सिद्धि मोहनी स्वाहा ॥ धार ॥ थो मंत्र न चेतन ते
 यतो मोहनी

१ सिद्धि गुरु आशा वन्द्य कंचनारे के गुहा कंचनार्व
 तिया करवो हाकन थव हाकन दासा निसे थव हाक
 एसा निसे तितिता मिमि उव चाची विचि मिमि
 वचोर चोरे बाले बाले थि मधे से वजु पाय ॥ धार
 ॥ मिला जत या नाम काय हाकन स्याय वाय
 जुयुवजु लो

१ सिद्धि गुरु आशा भिमर्य कि आशा पार्वती की आशा
 कुपती की आशा काक थि वुसा सती फुरे मित्र ईश्व
 हृदा व ॥ धार ॥ ॐ कनस यम कपाल सपिये मोहनी

ॐ काम देवाय विष्णु हे कामेश्वराय धीमही
 तनो काम प्रचोदयात् ॥ धार ३ ॥ धर्म न मिसा
 जनया लाहात जो डाव ज पलपे भीसा जन नम
 ते निवर्मा सा जनया भग घु घाल ज पलपे का
 य अती मते नीव स्वान ज पलपे भीसा घु य
 के मते नीव ॥ भीसा मिजन यात वी ल सा
 भीसा तो लते म फ र्व धवन को ला छि ह
 चक ज पल पाव भीसा याता विय ध्व धवन न धु
 व धु व ह्नी दु यी नी धे पीत पीतु वी व यी व म
 न वी र्व वसे ॥

ॐ भरभूसा ववे सा सिंह न आह दे सी धर

संग मो ३११११ भागा

स्वी

धर कामा अहामो दे सिहा सिखे ली र ओरे
 देखि दे न क वा गु रु के आ ज्ञा श्री माहा दे
 ओ के वा चा हुं फ र् स्वाहा ॥ धार ५ ॥ सां मे
 सा मो ले या मे व न मे सु या डा व ड ड म वी व
 या ची ज प ल पा व न के जी व मिसा थ व या य
 जी व ॥

ॐ कौं जौं हौं मूं प्रौं भल ग घ हूं हूं हूं फ र् फ र् ॥
 धा ॥ म सा न या न लि का या व छे स हो ले मे व मो
 ह या य मे व सा छे स

ॐ नमो श्री विज जोगी नी की वाचा हूं आ हूं फ र् ॥ धा
 ७ ॥ ला स व व भी सा या त सह न वी या व थ व था
 स त य धर्म नो म तु ल्य न ये लि प ते नो तु वा वू थो

लि

७

ये.थव लउस पुगुली जोडाव थो मंत्रपोलपेधा
मिसावस्य जुयु

ॐ असुमतिअस्वाहा ॥धार३॥थव लाहातिस
पुयाव मिशायावाहा राजोनेगुगलस्यजोने
चलपाडा जोनेवस्ययायमिश्रा

ॐ नमः माहादेवकावाचावजुजोगिनीर्ग
धर्वस्वाहा ॥धार५॥लवाउगेच खयेरगोली
सर्मत्रयाउगवनके मिशावस्य

श्रीगुरुआशा ॐ चिनि२मिरि२हन२हस२अ
सवसकुरु२स्वाहा ॥धार७॥थोर्मत्रनलवाउ
मंत्रयाउव.थवनामिश्राथीयकावनके मिशा
वस्य

ॐ सगछयास्वरपवजान आपुदक्षदंजग
महुंहुंफरुस्वाहा ॥धार१०८॥मशानपि
कायेजुलो ॥ ॥

व्याघ्रहपाय व्याघ्रमूर्तये घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां
घ्रां घ्रां श्रीमायनमः व्याघ्रमूर्तये
घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां घ्रां
हा ॥धार१०८॥थवर्मत्रन जयंति कास्वानः
जपलपंतोशथाऊनधुजुयुव

ॐ हूं हूं फरु हूं हूं फे फे स्वाहा ॥ हूं हूं ॥पोफा
यपोपुयगुगुली

ॐ कांकींकींकेंकांकें क्कां क्कां
 क्कां काकरपायआकाश ह्य ह्य
 गगणमन्दचलाय हुं नमस्वाहा ॥
 धार १००० ॥ नीलउफोलस्वानजपलर्पनोश
 भंड कोखजुयजुलो
 ॐ खौखौखौखौखौखौखौखौखौ
 गेश्वरखगसिद्धिखगा ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 यद्गौखौखौखौ फट् स्वाहा ॥ धार १०० ॥ धि
 कि धि कि चामायापुजपलर्पनोश थंडं वि
 चाजुयजुलो

ॐ गौं गौं गौं गौं गौं गौं गौं गौं
 ह्रीं ह्रीं कामधेनुवर्गे
 हपाय हुं फट् स्वाहा ॥ धार १०० ॥ नील
 जपलर्पनोश थंडं सां जुये
 ॐ मुं मुं मुं मुं मुं मुं मुं मुं मुं
 मुं मुं मुं मुं मुं मुं मुं मुं मुं
 श्री गगनचराय म्यां हुं
 हुं हुं स्वाहा ॥ धार १००० ॥
 स्तमलजपलर्पनोश थंडं चला पुत्री जुय
 जुलो
 ॐ सिद्धिउरआशा ॐ कुमारिथे आकाश
 हुं फट् स्वाहा ॥ धार २२ ॥ कुमा

ॐ छौं छौं छूं छूं छौं छूं छ्वां छ्वां छ्वां
 श्रीगणेशाय नमः ॥ धार १०८ ॥
 सुखी करु पाय हुं फट स्वाहा ॥ धार १०८ ॥
 पल जपल पनोश थडं छु मुये गु व छु गु
 यगु गुलो ५

ॐ जौं जिं जुं जें जों जं ज्वां ज्वां ज्वां ज
 मुदि पाय जां जां हुं मध्वां मध्वां मध्वां म
 मज मुक रूप धारय स्वाहा ॥ धो मू धार
 १०८ ॥ ह्वाक्ष जपल पनोश थडं धोल गु
 यगु गुलो ६

ॐ सौं सीं सुं सें सों सं स्वां स्वां स्वां सें वें वों
 गंय वन न पय्या यं सिं ह्वां ह्वां ह्वां ह्वां
 यं सौं सीं सुं स्वाहा ॥ धार १०८ ॥ धर्म न न स
 वं गुटिका जपल पनोश थडं सिंह गु ये ७
 ॐ श्लो श्लो श्लो श्लो श्लो श्लो पृथ्वी मध्याय वीर
 यं स्वां स्वां स्वां वन ज नु वीर य सार्द्ध रूप म
 जां जां हुं स्वाहा ॥ धार १०८ ॥
 ॥ तव को खनु या जपल पनोश थडं सार्द्ध
 ल गु ये ८

ॐ वां वीं वूं वों वं व्वां व्वां व्वां वं वं वं वं
 तं मा जोर रूप य व्वां व्वां व्वां हुं हुं हुं स्वाहा
 ॥ धार १०८ ॥ धर्म न न मुसाल जपल पनोश
 थडं भटि गु यगु लो ९

0
CMS
5
10
15
20
25
30

२२
श्रीवसु
गोकपाय
अभीचार
श्रीगुरुदेव
श्रीगुरुदेव
नामसीद्धि
रामोदनी
पीपीतके

क
ॐ नमो भ्यादा गुरुहं ॥ लल जो निल लल न तु क भ क भ की उता
मे त ने व लि ॥ घि रि दी शी भा न घि शी मो ग रि सा ना रा पि मे रे
पि छे रा क दो हा गुरु को मे क ति मे रे श क ति कुर मे न द भ न
वा च ॥ धा ॥ न के गु व लुं लू तु श त या व का य न के स्त्री व
स्प ॥ ॥ शुभ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मि को म जी अंगुली हा य दी ये श ओ हिव तपा त र्य व श बु या हा
र लुषा श ता स्पी ता थै थ व जा हा त क ला त त पी को ये थ र्द ड ग
ता व क त क व च त त ल्या यु व जा क फा ये ॥ ॥ ॥
धु या ही व भ ति या ही त प्रा घ्या य पि व को स त के स्त्री
पु न व ल्या यु व स्प भा ग ॥ स् ॥ ॥ ॥
कु कु न अभी चार या म गे ल के बाल
ॐ श्री गुरु आ शा शि शि गार दे वी स पू त र्वे च का हा ग या शि क कार
म का टि कू पी छ त मे र्थ म र्थ वा हा र का हा र मा ता का रि का आ

शा ॥ धा ३ ॥ लीष ज पा तो न के अ क्ष त ज पा छु र के पि त स्या क या अ
भी चार म गे ल के ॥ ॥ ॥ ॥
सि डि गुरु आ शा हा हं फ स स्वा हा ॥ धा ॥ क ध र्क ठ ग हा ही ना व ॥ अ
गु ली हा व दी म ले ॥ थ मे को र्व म ग व गु लीष श नी ना व ज पा तो न के अभी
चार या को ठे गु ल ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ व ज पा मि पि ओ पि ओ गे का हा र उ ज्ञा न तु त पि अ गे ॥ धा ३ ॥
हु ३ तो लीष ज पा तो न के मिसा तो से न अभी चार या ये म पू वे ग त न ॥ ॥
ॐ न म लु पि मी य हूं फ स स्वा हा ॥ धा ५ ॥ थो म न न आ धे न ज्यो य
पो ल श्री ना व ना थ्ये श्व र श थु मे सु ना र र वा न के मे त व दी त प हु त
ये का या व ह ये ज्यो य न ये आ ध न दु ये ना म सी डी द र्व व गु लो
यु पु र या तु ग ल या च्या मु को व बु ला व ती ये रा जा मो ह नी गु लो ॥
ज ग त मो हो ती धा य ॥ ज व ति त स र्ग स ह न से ये द व आ को ना रा र्शी
व भी ड ज्यो लो च न पु ती श त या व भी न का व चूर्न या ना व गु ली ची मे चू कू २
धान का व थ न चू ली ओ मि खा श उ ले ॥ हु मी पी त के गु लो ॥ ॥

स्वायाकर्म ॥ ॥ माचस ये स लखन बुलावन के सी युव ॥ ॥
 हंसयाकर्म ॥ ॥ फोगल पु गो मा छाड हा थते सभ भाग या ड की
 घशनी सी अंत श भेद लपन के सी युव ॥ ॥ से सा वर से जाम
 र दो वै ते से थो स कती आ वारी खो सी मा सु द्वास मा धा को या
 कर्म स्वा क सी म ता से मा स त या व त ये सी युव ॥ ॥ तु वा या
 कर्म ॥ ही डो पो ल से से स्वा या व त ये द व थु ना व त ये द व तु वा स
 क ले गा ड न व सी युव ॥ ॥ प ले स्वा न या कर्म ॥ वा धे श वा धी
 तु ती डो सु न सी युव ॥ ॥ म नु ष्य या कर्म ॥ आ फू डु न व ज भा
 क वा ला व तो न के सी युव ॥ ॥ ॥ ॥ धु या ग्वा च त सा तो मा व स्तु
 श भे द ल प न के सी युव ॥ ॥ ॥ आ फू डु ड या ॥ घे त त य क ते ने आ
 फू डु ड सी युव ॥ ॥ हर ती या वो न हरी ताल दु ख्य न के म नु ष्य सी
 युव ॥ ॥ स्वे ज या कर्म ॥ अंत श य श न भे द ल प न के म नु ष्य सी
 युव ॥ ॥ भा रा या कर्म ॥ भा रा ड य ता दो ची ड न व त ये वे ल श मा
 क ल या र वी त के सी त ये तु क नी चू न दा ड न व मु यु ओ ॥ ॥ मि स
 या कर्म ॥ ॥ ज ग जा बु चो र न क चो र व स्तु न सी युव ॥ ॥ का या कर्म

॥ ते भु ल न के सी युव ॥ ॥ चो ले स या कर्म ॥ ॥ का ची अ त
 मो हर व ह धा न का व चा क ला च का व था को श पे त पु न की न के
 सी युव ॥ ॥

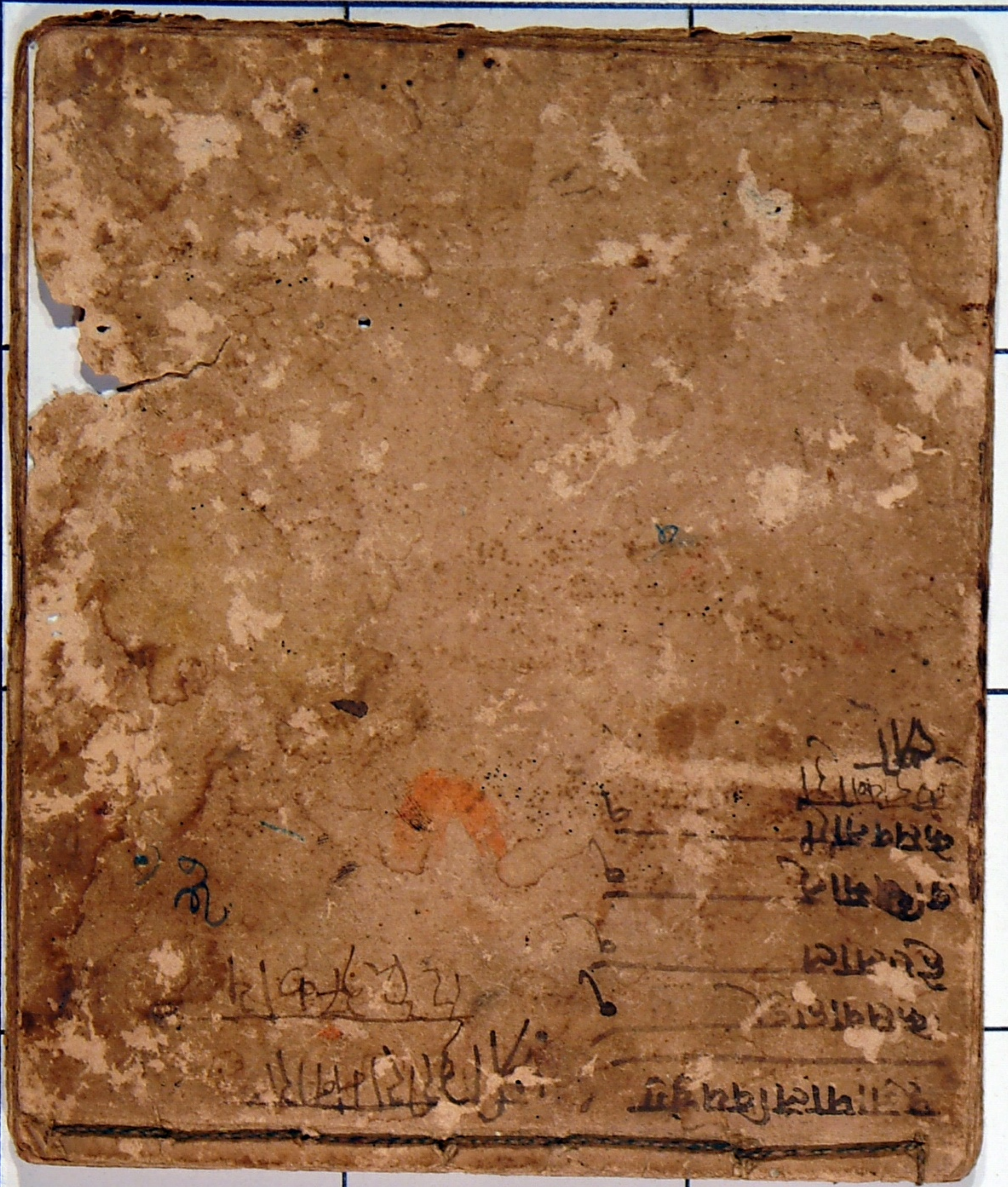
0

CMS

5

10

15



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥